बिग फील्ड:

बिग फील्ड केयर प्रा: लिम: संस्था आपके क्षेत्र में ग्रीन हाऊस (नैचुरली वेटीलेटिड पोली हाऊस, फेनपैड़ पोली हाऊस, शैड नैट हाऊस एवं वाक-इन टनल) बनाने के लिये सम्पूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाता है। हमारा संगठन एक अलग एवं ऊँची सोच रखता है जिसका उद्देश्य कृषि से सम्बधित नई खेज एवं युनिवर्सिटीयों द्वारा कृषि के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए की जा रही नई पहल कदमीयां और आधुनिक खेती की नई तकनीक को अपने कुशल कर्मियों द्वारा हर किसान तक पहुँचाना है ताकि किसानों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सके।

ग्रीन हाऊस का निर्माण

हमारे ग्रीन हाऊस का ढांचा उच्तम क्वालिटी के समान व कुशल कर्मियों द्वारा बनाया जाता है। जो कि किसानों के लम्बे समय तक चलने व अधिक लाभ की गारन्टी देता है। यह ढांचा फसल के स्वभाव के अनुसार वातावरण उपलब्ध करवाता है अथवा तेज हवा, भारी वर्षा, धागे से बंधे हुए पौधों पर लगने वाली सब्जीयों के भार को झेलने में सक्षम होता है।

फूलों व सब्जीयों की खेती

ग्रीन हाऊस में तरह-तरह की सब्जियां जैसे : हरि शिमला मिर्च, रंगदार शिमला मिर्च, टमाटर, बीज रहत खीरा आदि तथा फुल जैसे कि गुलाब, जरबरा, लीलीयम तथा कारनेशन आदि अच्छी मात्रा तथा बढिया गुणवत्ता के साथ उगाये जा सकते हैं। हम किसानों को बढ़िया किस्म के बीज तथा पनीरी भी कम दाम में उपलब्ध करवाते हैं।

जड़ी-बुटियों की खेती

हम आने वाले समय में ग्रीन हाऊस में दवाईयों में प्रयोग होने वाली जड़ी-बुटियां उगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस के लिये हम खास ग्रीन हाऊस विकसित कर रहे हैं।

कोल्ड स्टोरेज तथा पोस्ट हारवैस्टिंग मैनेजमैंट में सहायता

जो किसान पोस्ट हारवैस्टिंग मैनेजमैंट के क्षेत्र में आपना भविष्य बनाना चाहते हैं, हम उन्हे कोल्ड स्टोरेज तथा पोस्ट हारवैस्टिंग की आधारित संरचना में सहायता करते हैं।

प्रोजैक्ट की विकास सम्बन्धी सेवाऐं :

हम किसानों की आवश्यकता अनुसार हर तरह की सहायता प्रदान करते हैं जैसे कि :

- वातावरण तथा किसान की जरुरत अनुसार ग्रीन हाऊस ढांचे की किस्म के चुनाव में सहायता।
- ग्रीन हाऊस बनाने के लिए सही जगह के चुनाव में सहायता।
- मिट्टी तथा पानी के परिक्षण में सहायता।
- ऋण सम्बन्धी कागजी कारवाई में सहायता।
- ग्रीन हाऊस ढांचा तैयार करना।
- सिचांई हेतू ड्रिप प्रणाली तथा वातावरण कन्ट्रोल यूनिट लगाना।
- मिट्टी में किसी भी तरह की कमी को पूरा करना।
- बीज व पनीरी उपलब्ध करवाना तथा लगवाना।
- सबसिडी सम्बन्धी कागजी कारर्वाई तथा सेवाऐं।
- किसानों की ट्रेनिंग तथा फसल की देखभाल के लिये विशेषज्ञों की सहायता उपलब्ध करवाना।
- मण्डीकरण में सहायता।
- नए अविश्कारों तथा तकनीकों सबंधी समय-समय पर जानकारी उपलब्ध करवाना।

बिग फील्ड केयर प्रा० लि० किसानों को खुले खेत (ओपन फील्डिड) के लिए सुक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप सिस्टम) का उपयुक्त समाधान भी देती है।

बागवानी विभाग द्वारा स्वीकृत लागत तथा सब्सीडी (अनुदान) सहायता का विवरण

नं.	ग्रीन हाऊस कार्यक्रम	स्वीकृत लागत	न्यूनतम सहायता का विवरण
1.	फेन व पैड सिस्टम	1400–4000 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान
2.	नैचुरली वैंटीलेटिड सिस्टम	1000–1400 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान
3.	शेडनेट हाऊस (GI पाईप)	710 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान
4.	शेडनेट हाऊस (तार)	450 रु./वर्ग मीटर	50: अनुदान
		प्लांटिंग मैटीरियल	
1.	जरबेरा एवं कारनेशन फूल	600 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान
2.	गुलाब एवं लीलीयम	450 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान
3.	सब्जियां	150 रु./वर्ग मीटर	50% अनुदान

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

BIG FIELD Care Pvt. Ltd.

Guru Kirpa Bhawan, Nilowal Road, Sunam
Mob. +91 93718-00001, +91 98552-85555
website : www.bigfield.co.in
e-mail : bigfield.md@gmail.com, info@bigfield.com

क्षेत्रिय कार्यालय

Subsides Provided & Disbursed by :

National Horticulture Mission
Under various schemes through RKVY NVI etc.

NATIONAL HORTICULTURE BOARD
Under various schemes through NHM, RKVY NVI etc.

Banking Solution Provided By :-

BIG FIELD Care Pvt. Ltd.
CIN: U01409PB2020PTC051586

ISO 9001 CERTIFIED

खेती विविधीकरण की ओर बढते कदम.....

- ग्रीन हाऊस ढांचा तैयार करने की सुविधा
- नई खोज एवं तकनीक सम्बन्धी जानकारी देना
- तैयार फसल बेचने के लिए मण्डीकरण सहायता
- किसानों को कृषि विशेषयग्यों की सहायता

परिचय

BIG FIELD CARE PVT. LTD. Perfection in Modren Farming

आज के समय में हम सब्जियों की सालाना खपत की पूर्ति करने में असमर्थ हैं जोकि आने वाले समय में और बढ़ेगी। आबादी में निरंतर बढौतरी, आधुनिकीकरण तथा मशीनीकरण के कारण खेती के अर्न्तगत क्षेत्र लगातार घट रहा है इसलिये सब्जियों तथा फूलों के उत्पादन में बढावा करना जरुरी कदम है। खुले खेत का प्रतिकूल वातावरण उत्पादन तथा गुणवत्ता में बढावे को रोकता है। इस लिए हम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी पैदा नहीं कर पाते। भारतीय खेती में सब्जीयां प्रमुख स्थान रखती हैं, इनसे हमें कई तरह के विटामिन तथा खनिज पदार्थ मिलते हैं। हमारे देश में आम आदमी की खुराक विशेष रुप से आनाज पर ही निर्भर करती है। भारतीय सेहत खोज संस्था की सिफारिशों के अनुसार एक सेहतमन्द मनुष्य की खुराक 280 से 300 ग्राम सब्जीयां, 30 से 50 ग्राम फल एवं 85 ग्राम दालों का होना बहुत जरुरी है, परन्तु फिर भी हमारे यहां सब्जीयों की खपत प्रति व्यक्ति केवल 180 ग्राम प्रतिदिन है, जोकि बहुत ही कम है। आज के युग में बाजार में सब्जीयों की मांग बढ़ने के कारण तथा कृषि योग्य जमीन कम होने के कारण प्राकृतिक साधनों का सदोपयोग करते हुए उच्च गुणवत्ता युक्त सब्जीयां पैदा करने की जरुरत है। जिसके लिए सुरक्षित खेती एक सटीक स्थानापन है।

खेती विविधीकरण एवं सुरक्षित खेती

ग्रीन हाऊस में खेती करने से प्रतिकूल वातावरण में भी ज्यादा उत्पादन, बढ़िया गुणवत्ता के अलावा और भी बहुत लाभ हैं। ग्रीन हऊस की असरदार लागत में बनावट एक जरूरी क्षेत्र है, जो जगह और अलग-अलग वातावरण में खेती पर आधारित है। भले ही सरकार ने इस पर सबसिडी दी हुई है, पर इस सम्बन्धी कम जानकारी ही इसे न अपनाने का एक मुख्य कारण है। इसके लिये ग्रीन हाऊस की कीमत के साथ सम्बन्धित डिजाईन और इसके निर्माण वाली जगह तथा फसल की खेती के लिये वातावरण इसके मुख्य हिस्से हैं। इस समय यह आवश्यक है कि राज्य के वातावरण के अनुसार ही ग्रीन हाऊस तैयार किया जाए। इसके अलावा रासायन रहित सब्जियां आज के समय की मुख्य आवश्यकता है, इन हालात में सुरक्षित खेती ही एक मात्र हल है।

ग्रीन हाऊस क्यों :-

यह जिस्त लौहे की पाईपों का ढ़ांचा है जिसे पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढका होता है। यह इतना बड़ा होता है कि खेती के लिये वातावरण को पूरी तरह या काफी हद तक काबू में रखता है। इसे कुशल कर्मचारियों द्वारा तैयार किया जाता है। यह आंधी, तेज बारिश तथा रस्सीयों से बंधे पौधों पर लगने वाली सब्जियों के भार को झेलने में समर्थ होता है।

ग्रीन हाऊस में अधिक पैदावार क्यों

1. यू.वी. फिल्म (शीट) ग्रीन हाऊस में खतरनाक यू.वी किरणों को रोककर फसल की सुरक्षा करता है।
2. ग्रीन हाऊस में अन्दर का वातावरण काबू में रहता है।
3. पौधे रात को कार्बनडाईआक्साईड की बढ़ी हुई मात्रा को सोख लेते हैं। इस कारण पैदावार में 8 से 10 गुणा की बढ़ोतरी होती है।
4. ग्रीन हाऊस की साईडों में इनसैक्ट नैट लगा होता है। जिससे की कीट अन्दर न आ।
5. ग्रीन हाऊस में सर्दियों में भी अन्दर का तापमान सामान्य रहता है।

ग्रीन हाऊस खेती के लाभ

- प्रति एकड़ अधिक उत्पादन तथा बढ़िया गुणवत्ता।
- फसल का वर्षा, आंधी तथा सर्दी-गर्मी से बचाव।
- कुदरती रोशनी तथा हवा का प्रबन्ध।
- फसल के लिये ज्यादा समय तक अनुकूल मौसम।
- बे-मौसमी सब्जी की खेती।
- बेहतर फसल उत्पादन और गुणवता।
- सिंचाई जल और ऊर्जा की बचत।
- खाद एवं दवाई की बचत, अवांछनीय पौधो पर नियंत्रण व कम मेहनत।
- कीटों व रोगों पर नियंत्रण, मिट्टी के उपजाऊपन में सुधार।
- सीमांत भूमि और निम्न स्तर के जल के लिए उपयुक्त। भूमि का उचित इस्तेमाल।
- प्रति यूनिट क्षेत्र में अधिक पैदावार क्योंकि फसल की पैदावार क्षमता प्रभावित होती है।
- बाजार की मांग अनुसार कैसी भी फसल उगाई जा सकती है।

फेनपैड़ सिस्टम पोली हाऊस

नैचुरली वेटीलेटिड पोली हाऊस

डोम शेप नैट हाऊस

शैड नैट हाऊस

पोली हाऊस में सब्जी की खेती

बीज रहित खीरा

खीरे की फसल

जरबेरा फूलों की खेती

योजनाबंदी एवं डिजाईन:

एक ग्रीन हाऊस को इस तरह बनाया जाता है कि इसको क्वर करने वाला मटीरियल वर्षा और हवा की मार तथा विशेष क्रियाशील खेती को झेल सके। ग्रीन हाऊस तकनीक के साथ फसल के बढौतरी के लिए वातावरण के सभी हिस्सों को जैसे कि रोशनी, हवा, तापमान और नमी की मात्रा को पूर्ण तौर पर कंट्रोल किया जा सके।

ग्रीन हाऊस के लिए जगह का चयन

1. ग्रीन हाऊस के लिए उस जगा का चयन करना चहिए जहा पानी की निकासी अच्छी तरह होती हो।
2. किसी भी तरह की रुकावट से ग्रीन हाऊस की ऊँचाई का तीन गुणा दुर हो।
3. ग्रीन हाऊस की जगा के उपर से कोई भी बिजली की तार न निकलती हो।
4. ग्रीन हाऊस वाली जगा पर सिंचाई का साधन (टियूबवैल, नहरी पानी) का प्रबन्ध होना चाहिए।
5. जमीन का खारापन 5.5 से 8 और ई.सी. (चालकता) 0.8 मिली महौस/सै.मी. से कम होना चाहिए।
6. पानी का पी.एच. (Ph) 5.5 से 7.5 और ई.सी. (EC) 2.0 मिली महौस/सै.मी. से कम होना चाहिए।
7. जमीन का लैवल बाकी खेतों से ऊँचा होना चाहिए।
8. ग्रीन हाऊस के पास लेबर की आपूर्ति होनी चाहिए।
9. भविष्य में ग्रीन हाऊस के अर्न्तगत और रक्बा बढ़ाने के लिए जमीन उपलब्ध होनी चाहिए।

दिशा:

ग्रीन हाऊस को उतर से दक्षिण की दिशा में ऐसे बनाना चाहिए ताकि सूर्य की रोशनी से पूरा साल ज्यादा से ज्यादा रोशनी/लाभ प्राप्त हो सके और हवा के दबाब का असर भी कम हो।

तापमान:

हवा का सही तापमान 16^0 से 40^0 सैलसीयस के बीच होना चाहिए और मिट्टी का तापमान 15^0 सैलसीयस से कम नहीं होना चाहिए।

नमी:

नमी 70 से 80% के बीच होनी चाहिए।

हम आधुनिक तरीकों से कृषि की नई नई तकनीकों से ड्रैगन फ्रूट, हाईडैनसिटी वाले फलों के फार्म भी विकसित कर रहे हैं।

ड्रैगन फलों की खेती